भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

23 मार्च 2019

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी की प्रेस वार्ता के मुख्य बिंदु

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को सैम पित्रोदा द्वारा देश को शर्मसार करने वाले अपमानजनक बयान के लिए देश की जनता, देश के वीर जवानों और शहीद जवानों के परिवार से अविलंब माफी मांगनी चाहिए

****

राहुल गाँधी को देश की जनता के सामने यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि क्या कांग्रेस पार्टी पुलवामा जैसे जघन्य आतंकवादी हमले को महज सामान्य घटना या रूटीन घटना ही मानती है?

****

यदि कुछ लोगों की हरकत पर पूरे देश को दोषी नहीं ठहराना चाहिए तो क्या कांग्रेस पार्टी यह मानती है कि भारत में कराये रहे आतंकवादी घटनाओं का पाकिस्तान की सरकार या पाकिस्तान की सेना से कोई रिश्ता नहीं है? कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस अध्यक्ष को इसकी स्पष्टता करनी चाहिए

****

यदि आतंकवादी हमलों का रिश्ता पाकिस्तान से नहीं है तो फिर इसका दोषी कौन है? इसका जवाब कांग्रेस पार्टी को देना चाहिए

****

कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आतंकी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक से नहीं, बातचीत से होना चाहिए, क्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की यही कांग्रेस पार्टी की अधिकृत नीति है?

****

कांग्रेस पार्टी के इस बयान से हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान हुआ है, देश की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा किया गया है और राष्ट्र विरोधी एवं आतंकवादी तत्वों के मनोबल को कांग्रेस पार्टी के इस बयान से बल मिला है। इन बातों का भी जवाब कांग्रेस अध्यक्ष को देना चाहिए

****

सैम पित्रोदा का देश को शर्मसार करने वाला बयान आते ही कल कांग्रेस पार्टी ने हमेशा की तरह इस बयान से किनारा कर लिया। कांग्रेस के किनारे करने वाले बयान को देश की जनता भलीभांति समझती है, इसलिए देश की जनता ने कांग्रेस से भी किनारा कर लिया है

****

कांग्रेस पार्टी की यूपीए सरकार के दौरान देश में 26/11 जैसे कई आतंकवादी हमले हुए, कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठाया, बातचीत ही करते रहे, क्या परिणाम निकला इसका? **********

सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस पार्टी वोटबैंक और तुष्टिकरण की अपनी निकृष्ट राजनीति को देशहित, वीर जवानों की शहादत और शहीद परिवारों की संवेदना के भी ऊपर मानती है?

****

राहुल गाँधी ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि एयर स्ट्राइक पर उठे सवालों के जवाब मिलने चाहिए। राहुल गाँधी, आप किसके सवालों के जवाब चाहते हैं? कौन सवाल उठा रहा है? वायु सेना पर सवाल उठाने का काम कौन कर रहा है? आप अपरोक्ष रूप से किसका समर्थन कर रहे हैं?

****

देशविरोधी बयान देना और तुष्टीकरण की राजनीति करना कांग्रेस पार्टी की सोची समझी राजनीति का हिस्सा है कि अपने चहेते नेताओं से वोटबैंक और तुष्टिकरण की ओछी राजनीति कराते रहो, फिर उनके बयानों से किनारा करते रहो और अपनी राजनीति करते रहो

****

केंद्र में 10 सालों तक सोनिया-मनमोहन की कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार रही लेकिन आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस सरकार ने न तो कोई कठोर कार्रवाई की और न ही कांग्रेस सरकार में ऐसा करने की हिम्मत ही थी

****

कांग्रेस की यूपीए सरकार पाकिस्तान को भी आतंकवाद के मसले पर दुनिया में अलग-थलग करने में नाकामयाब रही

****

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुरुआत से ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। यह मोदी सरकार की सफल कूटनीति का ही परिणाम है कि एयर स्ट्राइक के बावजूद पूरी दुनिया हिन्दुस्तान के साथ खड़ी रही और पाकिस्तान फिर से अलग-थलग रहने को मजबूर रहा

****

हम पूरी दुनिया को यह समझाने में सफल हुए हैं कि आतंकवाद विश्व के लिए सबसे खतरनाक है और पाकिस्तान आतंकवादियों की पनाहगाह है जो पूरी दुनिया के लिए ख़तरा है

****

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ने एक-के-बाद-एक कई कदम उठाये हैं। कई आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और कई आतंकवादियों का खात्मा किया गया है

****

देश की जनता और देश की सेना को विश्वास है कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार सेना के जवानों के पीछे चट्टान की तरह खड़ी है।

****

मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से समस्त देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ही देश की सीमाओं को सुरक्षित रख सकती है, आतंकवाद पर करार चोट सकती है और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे सकती है

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने आज पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया और कांग्रेस की घोषणापत्र कमिटी के सदस्य, ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन और कांग्रेस अध्यक्ष के नजदीकी सलाहकार सैम पित्रोदा द्वारा देश की जनता, देश की सुरक्षा में लगे सेना के जांबाज जवान एवं जवानों की शहादत का अपमान किये जाने पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गाँधी पर करारा हमला किया।

श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा देश की जनता के लिए काफी अहम् है। ऐसे समय में **ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन और कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के सदस्य सैम पित्रोदा ने देश के लिए जो अपमानजनक बयान दिया है वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है और गंभीर चिंताओं को जन्म देने वाला है।** इस अपमानजनक बयान की मुख्य बातें हैं:

- पुलवामा में हमारे **CRPF** जवानों पर पाक प्रेरित आतंकवादियों के निंदनीय हमले को सैम पित्रोदा ने सामान्य और रूटीन घटना करारा दिया है
- पित्रोदा ने कहा कि कुछ लोगों की हरकत पर पूरे देश को दोषी नहीं ठहराना चाहिए, और
- पित्रोदा ने **26/11** के मुंबई आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि आतंकवादी हमलों का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक नहीं हो सकता, बातचीत से ही आतंकवादी घटनाओं का समाधान निकल सकता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि **इस तरह के भर्त्सनीय बयान पर मैं कांग्रेस पार्टी से कुछ सवाल पूछना चाहता हूँ:**

1. **पहला -** कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को देश की जनता के सामने यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि क्या वे इस प्रकार के जघन्य आतंकवादी हमले को सामान्य घटना या रूटीन घटना मानते हैं?

2. **दूसरा -** यदि कुछ लोगों की हरकत पर पूरे देश को दोषी नहीं ठहराना चाहिए तो क्या कांग्रेस पार्टी यह मानती है कि भारत में कराये रहे आतंकवादी घटनाओं का पाकिस्तान की सरकार या पाकिस्तान की सेना से कोई रिश्ता नहीं है? कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस अध्यक्ष को इसकी स्पष्टता करनी चाहिए। यदि आतंकवादी हमलों का रिश्ता पाकिस्तान से नहीं है तो फिर इसका दोषी कौन है? इसका जवाब कांग्रेस पार्टी को देना चाहिए और,
3. **तीसरा -** आतंकी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक से नहीं, बातचीत से होना चाहिए, क्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की यही कांग्रेस पार्टी की अधिकृत नीति है?

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को इन तीनों मामलों पर देश की जनता को जवाब देना चाहिए। जब देश पर इस प्रकार के आतंकवादी हमले होते हैं, इसमें सेना के जवान व आम नागरिक हताहत होते हैं और इस पर कांग्रेस पार्टी के इतने बड़े पदाधिकारी बातचीत के रास्ते का सुझाव देते हैं, इससे कांग्रेस पार्टी सहमत है क्या? **कांग्रेस पार्टी की यूपीए सरकार के दौरान देश में 26/11 जैसे कई आतंकवादी हमले हुए, कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठाया, बातचीत ही करते रहे, क्या परिणाम निकला इसका - इस बात का भी जवाब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को देश की जनता को देना चाहिए।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आते ही कांग्रेस पार्टी वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करने लगती है, यह कांग्रेस पार्टी की पुरानी आदत है लेकिन इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि देश की जनता इसे जानती है। पर **सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस पार्टी वोटबैंक और तुष्टिकरण की अपनी निकृष्ट राजनीति को देशहित के भी ऊपर मानती है? क्या कांग्रेस की वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति वीर जवानों की शहादत के ऊपर हो सकती है? क्या कांग्रेस की वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति शहीद परिवारों की संवेदना के ऊपर हो सकती है? इसका भी जवाब राहुल गाँधी को देना चाहिए।**

श्री शाह ने कहा कि **कांग्रेस पार्टी के इस बयान से हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान हुआ है, देश की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा किया गया है और राष्ट्र विरोधी एवं आतंकवादी तत्वों के मनोबल को कांग्रेस पार्टी के इस बयान से बल मिला है। इन बातों का भी जवाब कांग्रेस अध्यक्ष को देना चाहिए।**

कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला जारी रखते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 07 मार्च को **राहुल गाँधी ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि एयर स्ट्राइक पर उठे सवालों के जवाब मिलने चाहिए। राहुल गाँधी, आप किसके सवालों के जवाब चाहते हैं? कौन सवाल उठा रहा है? वायु सेना पर सवाल उठाने का काम कौन कर रहा है? आप अपरोक्ष रूप से किसका समर्थन कर रहे हैं? देश की वायु सेना के शौर्य पर संदेह करना किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष के लिए उचित नहीं है, इसका भी जवाब राहुल गाँधी को देना चाहिए।** उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2016 में राहुल गाँधी ने सर्जिकल स्ट्राइक के बाद हमारे जवानों की वीरता को 'खून की दलाली' की अपमानजनक संज्ञा दी थी। जब जेएनयू में जब देशविरोधी नारे लगाए जाते हैं तो राहुल गाँधी उसके

समर्थन में खड़े होते हैं और इसे अभिव्यक्ति की आजादी बताते हैं। यह कांग्रेस पार्टी की तुष्टिकरण की राजनीति का घिनौना उदहारण है। आखिर ऐसे बयान देकर राहुल गाँधी किसको खुश करना चाहती है? **राहुल गाँधी, आप अपने वोटबैंक की राजनीति को इतना नीचे गिराने का प्रयास मत कीजिये, देश की जनता आपको देख रही है।**

श्री शाह ने कहा कि **सैम पित्रोदा का देश को शर्मसार करने वाला बयान आते ही कल कांग्रेस पार्टी ने हमेशा की तरह इस बयान से किनारा कर लिया।** उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को एक सलाह देना चाहता हूँ कि **आपके किनारे करने वाले बयान को देश की जनता भलीभांति समझती है, इसलिए देश की जनता ने आपसे किनारा कर लिया है।** उन्होंने जोर देते हुए कहा कि **देशविरोधी बयान देना और तुष्टीकरण की राजनीति करना कांग्रेस पार्टी की सोची समझी राजनीति का हिस्सा है। कभी कांग्रेस पार्टी बीके हरिप्रसाद के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, कभी दिग्विजय सिंह के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, कभी पी चिदंबरम के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, कभी कपिल सिब्बल के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, कभी नवजोत सिंह सिद्धू के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, कभी संदीप दीक्षित के बयान को व्यक्तिगत बता देती है, मणिशंकर अय्यर को तो पार्टी से निष्कासित कर पुनः कांग्रेस पार्टी में ले आती है लेकिन इन नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं होती और ये कांग्रेस अध्यक्ष के चहेते बने रहते हैं।** उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं ऐसे बयान कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी की रणनीति का ही एक हिस्सा है कि अपने चहेते नेताओं से वोटबैंक और तुष्टिकरण की ओछी राजनीति कराते रहो, फिर उनके बयानों से किनारा करते रहो और अपनी राजनीति करते रहो। उन्होंने कहा कि **देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को अब पूरी तरह से समझ चुकी है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को पार्टी के इस अपमानजनक बयान के लिए देश की जनता, देश के वीर जवानों और शहीद जवानों के परिवार से अविलंब माफी मांगनी चाहिए।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि **केंद्र में 10 सालों तक सोनिया-मनमोहन की कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार रही लेकिन आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस सरकार ने न तो कोई कठोर कार्रवाई की और न ही कांग्रेस सरकार में ऐसा करने की हिम्मत ही थी। कांग्रेस की यूपीए सरकार पाकिस्तान को भी आतंकवाद के मसले पर दुनिया में अलग-थलग करने में नाकामयाब रही।** उन्होंने कहा कि **केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सरकार बनने के बाद हमने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। यह मोदी सरकार की सफल कूटनीति का ही परिणाम है कि एयर स्ट्राइक के बावजूद पूरी दुनिया हिन्दुस्तान के साथ खड़ी रही और पाकिस्तान फिर से अलग-थलग रहने को मजबूर रहा। यही बताता है कि मोदी सरकार पाक प्रेरित आतंकवाद को एक्सपोज करने में कितनी सफल हुई है। हम पूरी दुनिया को यह समझाने में सफल हुए हैं कि आतंकवाद विश्व के लिए सबसे खतरनाक है और पाकिस्तान आतंकवादियों की पनाहगाह है जो पूरी दुनिया के लिए ख़तरा है।**

श्री शाह ने कहा कि **जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ने एक-के-बाद-एक कई कदम उठाये हैं। कई आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और कई आतंकवादियों का खात्मा किया गया है।** उन्होंने कहा कि **देश की जनता और देश की सेना को विश्वास है कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार सेना**

के जवानों के पीछे चट्टान की तरह खड़ी है। उन्होंने राहुल गाँधी पर निशाना साधते हुए कहा कि बयानों से किनारा करने से कोई हल निकलता, देश की जनता आप की राजनीति को समझ चुकी है। **मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से समस्त देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार ही देश की सीमाओं को सुरक्षित रख सकती है, आतंकवाद पर करार चोट सकती है और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे सकती है।**

(महेंद्र पांडेय)

कार्यालय सचिव